भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित** प्रश्‍न संख्‍या **532**

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 14 दिसम्‍बर, 2018/23 अग्रहायण, 1940 (शक) को दिया जाना है।

**डीएपी की कीमतों में वृद्धि और यूरिया की कमी**

**532. कुमारी शैलजाः**

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा डाईअमोनिया फॉस्फेट की कीमतों में भारी वृद्धि की गई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या देश में यूरिया की कमी है, और यदि हां, तो इस कमी को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) देश में कुल कितनी मात्रा में यूरिया का उत्पादन होता है और गत चार वर्षों के दौरान विशेष रूप से हरियाणा राज्य में कितनी मात्रा में यूरिया का आयात किया गया; और

(घ) क्या सरकार इस वर्ष रबी के मौसम में किसानों को दी जाने वाली यूरिया राजसहायता को बढ़ाने का विचार रखती है?

 **उत्‍तर**

**योजना मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

 **(राव इन्‍द्रजीत सिंह)**

**(क):** एनबीएस योजना के तहत डीएपी को नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है। उर्वरक कंपनियों द्वारा डीएपी की कीमतें बाजार के उतार-चढ़ावों के अनुसार तर्कसंगत स्तर पर नियत की जाती हैं। उर्वरक कंपनियों द्वारा डाई-अमोनियम फास्‍फेट (डीएपी) की कीमत दिसम्‍बर, 2017 के 20884.97 प्रति मी.टन (बिना कर) से बढ़ाकर अक्‍तूबर, 2018 में 26160.20 प्रति मी.टन (बिना कर) कर दी गई है।

 तैयार उर्वरकों अथवा कच्‍ची सामग्री के मामले में भारत पोटाश क्षेत्र में पूरी तरह आयात पर और फास्‍फेट क्षेत्र में 90% सीमा तक आयात पर निर्भर है। अत: पीएण्‍डके उर्वरकों और इसके आदानों की अंतरराष्‍ट्रीय कीमतों में वृद्धि से देश में इन उर्वरकों का अधिकतम खुदरा मूल्‍य प्रभावित होता है। इसके अतिरिक्‍त विनिमय दरों में परिवर्तन से भी इन उर्वरकों की सुपुर्द कीमतें प्रभावित होती हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इन तैयार उर्वरकों और कच्‍ची सामग्री की अंतरराष्‍ट्रीय कीमतों में तीव्र वृद्धि हुई है और उपर्युक्‍त के अलावा अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपये के कमजोर होने से भी भारतीय बाजार में इन उर्वरकों का अधिकतम खुदरा मूल्‍य प्रभावित हुआ है।

**(ख):** देश में किसी भी राज्‍य सरकार से यूरिया की कमी की कोई रिपोर्ट प्राप्‍त नहीं हुई है। वित्‍त वर्ष 2018-19 (07.12.2018 की स्थिति के अनुसार) के लिए देश में यूरिया की अनुमानित आवश्‍यकता और संचयी उपलब्‍धता एवं बिक्री नीचे दी गई है:-

-: 2 :-

**आंकड़े लाख मी.टन (एलएमटी) में**

|  |
| --- |
| **वित्‍त वर्ष 2018-19 के लिए उर्वरकों की आवश्‍यकता और संचयी उपलब्‍धता एवं बिक्री**  |
| **2018-19 के लिए अनुमानित आवश्‍यकता** | **उपलब्‍धता (07.12.2018 की स्थिति के अनुसार)** | **बिक्री (07.12.2018 की स्थिति के अनुसार)** |
| 304.74 | 208.55 | 202.54 |

उपर्युक्‍त तालिका से यह देखा जा सकता है कि यूरिया की कोई कमी नहीं है क्‍योंकि उपलब्‍धता बिक्री से अधिक है।

**(ग):** पिछले चार वर्षों तथा वर्तमान वर्ष (नवम्‍बर, 2018 तक) के दौरान आयातित/उत्‍पादित यूरिया की मात्रा नीचे दी गई है:-

**आंकड़े लाख मी.टन (एलएमटी) में**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **आयातित/उत्‍पादित**  | **2014-15** | **2015-16** | **2016-17** | **2017-18** | **2018-19 (नवम्‍बर तक)** |
| **आयातित**  | 87.49 | 84.74 | 54.81 | 59.75 | 42.03 |
| **उत्‍पादित**  | 225.85 | 244.75 | 242.01 | 240.23 | 156.28 |
| **हरियाणा में उत्‍पादित**  | 5.12 | 5.67 | 5.43 | 5.60 | 3.80 |

सरकारी खाते में यूरिया का आयात देशभर में आपूर्ति हेतु किया जाता है। किसी राज्‍य विशेष के लिए इसका आयात नहीं किया जाता है।

**(घ):** किसानों को सांविधिक रूप से अधिसूचित अधिकतम खुदरा मूल्‍य (एमआरपी) पर यूरिया उपलब्‍ध कराया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा फार्मेगेट पर उर्वरकों की सुपुर्द लागत तथा यूरिया इकाइयों द्वारा निवल बाजार प्राप्ति के बीच का अंतर यूरिया विनिर्माताओं/आया‍तकों को राजसहायता के रूप में प्रदान किया जाता है।

\*\*\*\*\*\*\*